मैं भी हूँ ना.....

एक बधिरान्ध / बहु-दिव्यांग
बच्ची की वाणी

CREATED IN PARTNERSHIP BY:

JUNE 2020

Perkins SCHOOL FOR THE BLIND

BLIND PEOPLE'S ASSOCIATION (INDIA) AHMEDABAD

ICEVI

cbm

Deafblind International DbI

Tanne
Schweizerische Stiftung für Taubblinde
Sinne öffnen, Dialog ermöglichen

मुझे देखिए तो सही

मैं भी तो हूँ, यंही

एक बच्ची, एक मनुष्य- बिलकुल आप सी,

मुझे देखिये, मेरी कमियों और विकलांगता को नहीं,

चाहती हूँ बनना आत्मनिर्भर व स्वतंत्र मैं भी,

बेशक, सीखने का तरीक़ा होगा अलग और देर भी लगेगी,

हर दिन थोड़ा- थोड़ा, पर मैं ज़रूर सीखूंगी,

चलिए अपनो में करिये शामिल, मैं भी साथ चलूंगी,

साथ मिलकर खोजेंगे कौतुहल, मेरे अंदर की पहेली .....

माता की गोद में एक शिशु है और दोनों एक दूसरे को देख कर मुस्कुराते हुवे

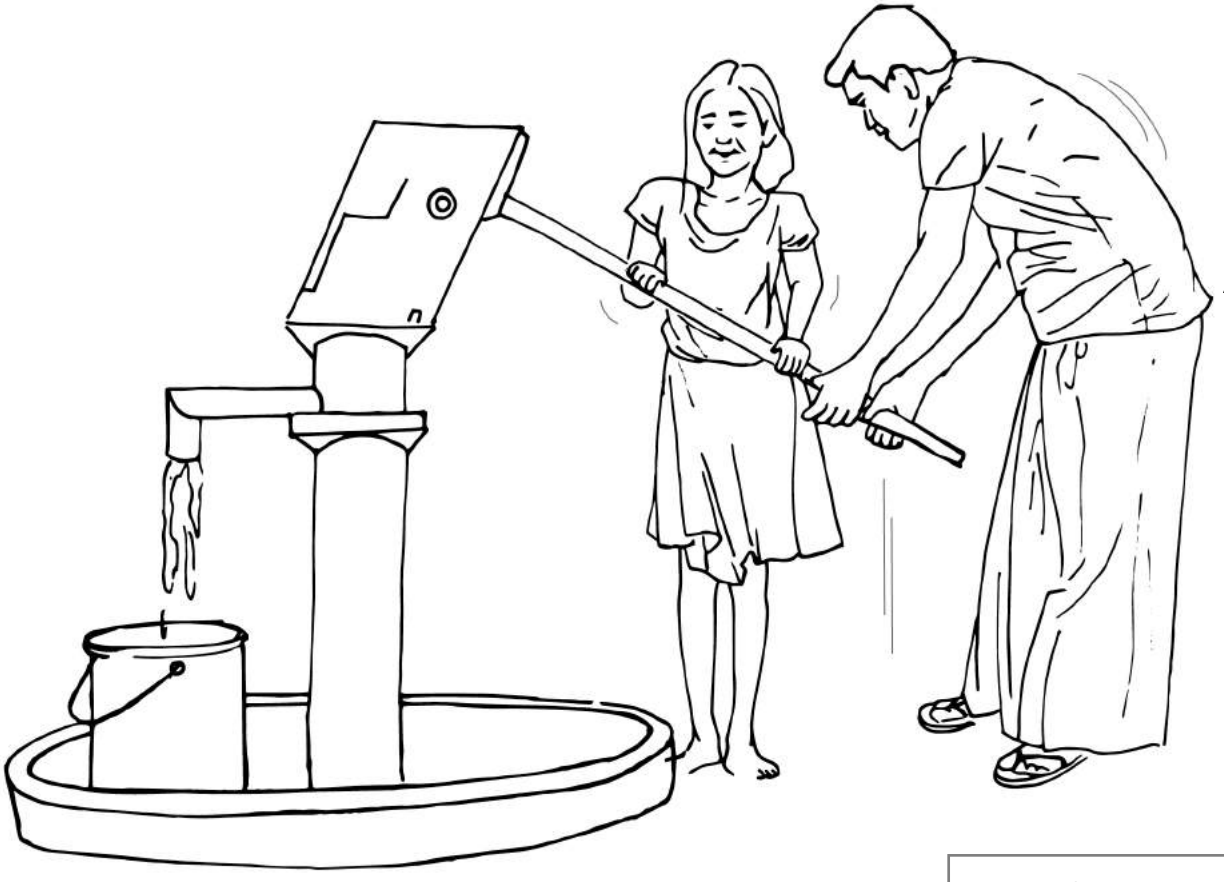

बबली, दादा के साथ हैंडपंप से पानी निकलते हुवे .

मैं अपने घर के काम-काज में सम्मिलित होना चाह्ती हूँ और ऐसे बहुत से काम हैं जिनमे मैं हाथ बटा सकती हूँ| मुझे दूसरे बच्चों के साथ समय गुज़ारना अच्छा लगता है और घर में मनाये जाने वाले त्यौहार व् उत्सव मुझे बेहद पसंद हैं| मैं हैंडपंप से पानी निकालने में मदद कर सकती हूँ और सायकल पर दादाजी ने जो मेरे लिए बास्केट-सीट लगाई है उसमे बैठ कर सैर भी कर सकती हूँ| आपके साथ मिल कर मैं बहुत से काम कर सकती हूँ|

मैं अपने समुदाय में और घर के कामों में भागीदारी कर सकती हूँ

मैं भी खेल सकतीं हूँ!

मुझे घर में और आस-पास की वस्तुओं से खेलना अच्छा लगता है| कृपया खिलौनों को मेरी पहुंच के अंदर रखें ताकि मैं उन्हें हाथों में उठा सकूं| मुझे विशेषकर, दूसरे बच्चों के साथ खेलने में बहुत मज़ा आता है और जब मेरे मेरे भाई-बहन आस-पास खेलते होतें हैं तो मुझे उनके साथ खेलने की इच्छा होती है|

नज़र का चश्मा पहने हुवे एक शिशु टब में बैठा हुवा हाथ में झुनझुना लिए खेल रहा है .

एक लड़का और लड़की हाथ पकड़ कर खेलते हुए

मैं भी संवाद कर सकता हूँ !

मुझको आप से बात करनी है संवाद करना है, ये मेरे लिए जरूरी है और आप के लिए भी| मेरे पास आइये, मुझसे कुछ कहिये, खेलिए और फिर मेरी प्रतिक्रिया देखिये| मैं आपकी भाषा समझने की कोशिश करती हूँ और मेरी भाषा सीखिए, देखिये इस तरह मिलजुल कर मजा आएगा!

बच्चा और माँ स्पर्श के द्वारा संवाद करते हुवे| माता जमीन पर बैठी हुई हैं और बच्चा उनके दोनों पैरों के बीच माता की तरफ मुंह किये हुवे पीठ के बल लेटा हुवा है| दोनों अपने हाथ एक दूसरे की तरफ बढ़ाये हुवे साथ में ताली बजा रहे हैं|

बालक और दादी जमीन पर बैठे हुवे हैं, सामने सब्जियों का कटोरा है और वो साथ-साथ पकाने के लिए सब्जी की पत्तियां तोड़ रहे हैं|.

मैं सीख सकती हूँ!

मैं हर समय सीखती रहती हूँ... भले मेरे सीखने की गति धीमी है पर सीखती जरूर हूँ| जब मैं वस्तुओं को स्पर्श करती हूँ तो उनका उपयोग जान लेती हूँ| अपने आप करने के लिए मुझे ज्यादा समय, पुनरावर्तन और अभ्यास की जरूरत पड़ती है| अगर आप मेरे लिए कार्य करने का एक क्रमवार तरीका बना दें तो मैं रोज उसका पालन करना सीख लूंगी| और हाँ, दूसरे बच्चों की तरह मैं भी स्कूल जा सकती हूँ|

मुझसे स्नेह करना बहुत आसान है....और मुझे भी आपसे स्नेह है

हर एक बच्चे को स्नेह और देखभाल की ज़रूरत पड़ती है, और मुझे भी है| मैं शायद बहुत मुश्किल से प्रदर्शित कर सकूं, परन्तु मैं आप से बहुत स्नेह रखती हूँ और मैं चाहती हूँ कि आप मुझे दिखाएँ की आप मुझे चाहते हैं और मेरे बारे में सोचते हैं, मुझमे आपके स्नेह को महसूस करने की शक्ति है|

पिता अपने बच्चे को करीब से पकडे हुए हैं और उसे चुंब रहे हैं

याद रखिये: मैं एक बच्ची हूँ- एक बहुमूल्य तोहफ़ा

भाई - बहन एक दूसरे से मिल कर खुश होते हुवे

दूसरे बच्चों की तरह ही मुझमें भी संभावनाओं की ख़ुशी, सपने और शरारतें भरी पड़ी हैं, क्या आप मुझे देख सकते हैं? मैं यंही हूँ आपके पास-पड़ोस में समाज में| मैं एक ऐसी बच्ची हूँ जो आपकी जिंदगी में शामिल होना चाहती है, गरिमापूर्ण अस्तित्व चाहती है| अगर आप मेरी तारीफ़ करें, मुझे प्रोत्साहन दें तो समाज के दूसरे लोग भी ऐसा ही करेंगे| बहुत सालों पहले मेरे जैसी ही एक बच्ची थी जो बड़ी हो कर हेलेन केलर बनी और उन्होंने कहा है "अकेले हम कुछ ही काम कर सकते हैं परन्तु साथ मिल जाएँ तो बहुत कुछ कर सकते हैं|" मेरे बहुत से सपने हैं, उन्हें पूरा करने मेरी आप मदद करेंगे ना ?